११ अगस्त, २०१८

राजनीति, कार्य संस्कृति एवं एकात्म मानव दर्शन : १. प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
आचार्य, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०

राष्ट्र निर्माण में हिन्दी साहित्य की भूमिका : २. डॉ. आरती सिंह
प्रभारी, हिन्दी विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

१२ अगस्त, २०१८

प्रकाश-बोध का संक्षिप्त इतिहास : १. प्रो. रविशंकर सिंह
आचार्य, भौतिक विज्ञान विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सामाजिक आन्दोलनों की भूमिका : २. डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
प्रभारी, इतिहास विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

: निवेदक :

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

Mob.: 7897475917, 9794299451
Web. : www.mpm.edu.in, Email : mpmpg5@gmail.com

सभी व्याख्यान पूर्वाह्न 11 बजे से होंगे।

जो हठि राखे धर्म को,
तिहिं राखै करतार ॥

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति

साप्ताहिक व्याख्यान-माला

07 से 13 अगस्त, 2018

सेवा में,
श्रीयुत् _____

_____

_____

उद्घाटन

07 अगस्त, मंगलवार, 2018
पूर्वाह्न 11.30 बजे

अध्यक्ष : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ०प्र०

मुख्य वक्ता : **प्रो. रजनीश शुक्ल**
सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद एवं
भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

मुख्य अतिथि : **प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह**
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०

समारोप

13 अगस्त, सोमवार, 2018
पूर्वाह्न 11.30 बजे

अध्यक्ष : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ०प्र०

मुख्य वक्ता : **प्रो. हरिकेश सिंह**
कुलपति
जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार

मुख्य अतिथि : **प्रो. सुरेन्द्र दुबे**
कुलपति
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उ०प्र०

व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक/विषय	मुख्य वक्ता
०८ अगस्त, २०१८	
भारत : उभरती हुई महाशक्ति- एक विश्लेषण	१. प्रो. तेज प्रताप सिंह राजनीतिशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस, उ०प्र०
जी.एस.टी.-चुनौतियाँ एवं समस्याएँ	२. श्री मन्जेश्वर प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग महाराणा प्रताप पी०जी०कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
०९ अगस्त, २०१८	
फ्यूचर ऑफ एनर्जी बियांड कार्बन	१. प्रो. दिनेश कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
वैश्विक परिदृश्य में भारत की नाभिकीय नीति	२. डॉ. अभिषेक सिंह प्रभारी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग महाराणा प्रताप पी०जी०कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
१० अगस्त, २०१८	
वैश्विक परिदृश्य में भारतीय शिक्षा	१. प्रो. शैलजा सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
दैनिक जीवन में रसायनों का प्रयोग	२. डॉ. राम सहाय आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति
व्याख्यान-माला
17 से 23 अगस्त, 2017

आमन्त्रण

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

☎ : 0551-6827552, 2105416, 9794299451
Web. : www.mpm.edu.in, Email : mpmpg5@gmail.com

उद्घाटन

17 अगस्त, गुरुवार, 2017
पूर्वाह्न 11.30 बजे

अध्यक्ष : प्रो. यू.पी. सिंह
पूर्व कुलपति
वी.ब.सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ०प्र०

मुख्य अतिथि : प्रो. विजय कृष्ण सिंह
कुलपति
दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ०प्र०

मुख्य वक्ता : प्रो. हरिकेश सिंह
कुलपति
जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार

समारोप

23 अगस्त, बुधवार, 2017
पूर्वाह्न 11 बजे

अध्यक्ष : प्रो. यू.पी. सिंह
पूर्व कुलपति
वी.ब.सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ०प्र०

मुख्य अतिथि : प्रो. योगेन्द्र सिंह
कुलपति
जननायक चन्द्रशेखर, विश्वविद्यालय, बलिया, उ०प्र०

मुख्य वक्ता : प्रो. राम अचल सिंह
पूर्व कुलपति
राम मनोहर लोहिया, अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उ०प्र०

व्याख्यान-माला के सभी सत्रों में आप सादर आमंत्रित हैं।

: निवेदक :
डॉ. प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
जंगल धूसड़, गोरखपुर -२७३०१४

संयोजक
सुबोध कुमार मिश्र
प्रवक्ता-प्राचीन इतिहास

व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक/विषय	मुख्य वक्ता
१८ अगस्त, २०१७	
जीवन कौशल	१. श्री यू०पी० त्रिपाठी, आई केयर इण्डिया, लखनऊ
मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय वेतना	२. डॉ. आरती सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर - हिन्दी विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
१९ अगस्त, २०१७	
भारत की शिक्षा नीति और महना दिग्विजयनाथ	१. डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
पर्यावरण	२. डॉ. विजय कुमार चौधरी, अस्सिटेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
२० अगस्त, २०१७	
जी.एस.टी.:एक परिचय	१. श्री मृत्युंजय कुमार सिंह, सहायक आयुक्त, राज्य कर देवरिया, उ०प्र०
कर्मचारी भविष्य निधि : एक दृष्टि	२. श्री सुभाष गुप्ता, अस्सिटेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
२१ अगस्त, २०१७	
भारतीय संस्कृति:अवधारणा एवं महत्व	१. डॉ. लालमणि तिवारी, प्रकाशन व्यवस्थापक, गीताप्रेस, गोरखपुर
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षण प्रशिक्षण की उपयोगिता	२. श्रीमती शिप्रा सिंह, अस्सिटेंट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
२२ अगस्त, २०१७	
राष्ट्र की अवधारणा :	१. श्री रामाशीष सिंह, संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, बिहार
वनस्पतियों का औषधीय महत्व	२. डॉ. अभय श्रीवास्तव, अस्सिटेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

सभी व्याख्यान पूर्वाह्न 11 बजे से होंगे।

राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला का उद्घाटन

साप्ताहिक व्याख्यानमाला का उद्घाटन समारोह

प्रत्येक वर्ष की भांति २६ अगस्त से एक सितम्बर तक महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में साप्ताहिक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। २६ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश के दर्शन शास्त्र के विभागाध्यक्ष **प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा** ने 'सांस्कृतिक आक्रमण प्रतिरोध की दिशाएँ' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पूर्व कुलपति **प्रो. राम अचल सिंह** ने की।

व्याख्यान देते डॉ. सतीश द्विवेदी

व्याख्यान का दूसरा दिन

२७ अगस्त को विषय विशेषज्ञ बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सतीश द्विवेदी** ने 'पूर्वी उत्तर प्रदेश का विकास: चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में 'वैश्विक ताप वृद्धि: चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर भूगोल विभाग के प्रभारी **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने अपना उद्बोधन दिया।

कार्यशाला का दूसरा दिन

कार्यशाला में व्याख्यान देते डॉ. राजेश कुमार सिंह

२२ मई को कार्यशाला के दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर **डॉ. राजेश कुमार सिंह** थे। 'विद्यार्थियों की विविध समस्याओं की समझ और अध्यापन' विषय पर आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। अन्तिम सत्र में प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी पाठ्योजना प्रस्तुत की।

कार्यशाला का तीसरा दिन

कार्यशाला में व्याख्यान देतीं प्रो. सुषमा पाण्डेय

२३ मई को कार्यशाला के तीसरे दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की **प्रो. सुषमा पाण्डेय** ने विषय विशेषज्ञ के रूप में 'शिक्षा में प्रशासन' विषय पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में विद्यार्थियों को योग-प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों को पाठ्य योजना निर्माण की प्रक्रिया बतायी गयी।

कार्यशाला का चौथा दिन

कार्यशाला में व्याख्यान देते डॉ. के.डी. तिवारी

२४ मई को कार्यशाला के चौथे दिन विषय विशेषज्ञ **डॉ. के. डी. तिवारी**, एसोसिएट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग, बी.आर.डी. पी.जी. कालेज देवरिया ने अधिगम एवं अभिप्रेरणा विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की बी.एड. विभाग की असिस्टेण्ट प्रोफेसर श्रीमती पूजा पाण्डेय ने 'योग के महत्व' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया तथा प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया। अन्तिम सत्र में सभी प्रतिभागियों की उपर्युक्त विषय पर समूह चर्चा सम्पन्न हुई।

व्याख्यान का तीसरा दिन

२८ अगस्त को 'शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य : एक मूल्यांकन' विषय पर भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार के दर्शन शास्त्र विभाग के **एसो. प्रो. एस.के. वर्मा** ने बतौर मुख्य अतिथि अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी **डॉ. राजीव पाण्डेय** ने भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान-माला में मंचस्थ अतिथि

कार्यशाला

२८ अगस्त को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ के आईक्यूएसी तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्राचार्य परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 'शैक्षिक प्रशासन एवं गुणवत्ता : कुछ नए प्रयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर **डॉ. राजीव पाण्डेय** रहे। इसमें विभिन्न महाविद्यालय के ६४ प्राचार्य सम्मिलित हुए। समापन समारोह की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पी. जी. कालेज के प्राचार्य **डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप में **डॉ. राजशरण शाही** का व्याख्यान हुआ। सभी सत्रों की अध्यक्षता प्राचार्य परिषद् के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र उपाध्यान ने की।

एकदिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी

व्याख्यान का चौथा दिन

२९ अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के **प्रो. द्वारिका नाथ** ने 'धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा : भारतीय संदर्भ में एक विवेचन' विषय पर अपना सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की प्रवक्ता **डॉ. आरती सिंह** ने 'कबीर का समाजवाद' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान माला में प्रो. द्वारिका नाथ एवं डॉ. आरती सिंह

व्याख्यान का पाँचवां दिन

३० अगस्त को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड्गवासला, पुणे के भौतिक शास्त्री **प्रो. राजेन्द्र भारती** ने 'शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ : समस्या एवं समाधान' विषय पर अपना विशिष्ट उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। इसी क्रम में 'प्राचीन भारत में रसायन विज्ञान' विषय पर रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष **डॉ. शिव कुमार बर्नवाल** ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान देते डॉ. राजेन्द्र भारती

व्याख्यान का छठां दिन

३१ अगस्त को व्याख्यान-माला में बतौर मुख्य वक्ता प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार **डॉ. उदय प्रताप सिंह** (वाराणसी) ने 'हिन्दुत्व और राष्ट्रीयता' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सक्षम के प्रदेश अध्यक्ष **डॉ. हिमांशु भूषण वर्मा** ने 'नेत्रदान-महादान' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।

व्याख्यान देते डॉ. उदय प्रताप सिंह

व्याख्यान-माला : समारोप कार्यक्रम

एक सितम्बर को साप्ताहिक व्याख्यान-माला के समारोप में मुख्य अतिथि भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सचिव **डा. मानेन्द्र प्रताप सिंह** ने 'कर्मफलसन्यास : एक दार्शनिक विवेचन' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि **पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह** जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता **गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त आदित्यनाथ जी महाराज** ने की।

व्याख्यान-माला का समारोप

कार्यशाला का पाँचवां दिन

२५ मई को कार्यशाला के पाँचवें दिन 'शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार' विषय पर विषय विशेषज्ञ **प्रो. सरिता पाण्डेय**, शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। प्रथम सत्र में योगासन तथा प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। तृतीय सत्र में ''योग्य शिक्षण पद्धति में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग'' विषय पर विद्यार्थियों ने समूह चर्चा की।

कार्यशाला में व्याख्यान देती प्रो. सरिता पाण्डेय एवं प्रतिभागी

कार्यशाला का छठवाँ दिन

२६ मई को कार्यशाला के छठे दिन विषय विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष **प्रो. प्रतिभा खन्ना** थीं। इन्होंने 'औद्योगीकरण एवं जनतंत्र पर शिक्षा का प्रभाव' विषय पर शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में बी.एड. विभाग के प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यशाला के तृतीय सत्र में समूह चर्चा सम्पन्न हुई।

कार्यशाला में व्याख्यान देतीं प्रो. प्रतिभा खन्ना

बी.एड. कार्यशाला का समारोप समारोह

२७ मई को कार्यशाला के समारोप में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष **प्रो. लालजी त्रिपाठी** ने ''द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम : एक समीक्षा'' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य **डॉ. मयाशंकर सिंह** ने 'शिक्षा के केन्द्र बिन्दु शिक्षक' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति **प्रो. यू.पी. सिंह** ने की।

कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. लालजी त्रिपाठी